महोदय, मैंने माननीय चित्त बसु के प्रश्न के उत्तर में कहा है कि 406, 409 इत्यादि धाराओं के अन्तर्गत कितने लोगों के खिलाफ मुकदमे चलाये गए । मैं ने यह भी बतलाया है कि 351 लोगों को जेल की सजा भी सुनाई गई ...

श्री युवराज : कितने दिनों की सजा ?

डा० राम कृपाल सिंह : इस कानून के अन्तर्गत ज्यादा से ज्यादा 6 महीने की सजा होती है और कम से कम "राइजिंग आफ दि कोर्ट" तक की सजा होती है । अब यह कोर्ट पर निर्भर होता है कि वह कितना एवार्ड करे, सरकार कोर्ट को मजबूर नहीं कर सकती, हमारा वकील इतना ही कह सकता है कि अधिक से अधिक सजा दी जाए, लेकिन निर्णय तो कोर्ट को ही करना होता है ।

माननीय सदस्य ने कटिहार जूट मिल्ज के कर्मचारियों की दिक्कतों को सरकार के सामने रखा था । मुझे बहुत खेद है—ये जूट मिले सिक-मिल्स हैं । उन्होंने सरकार द्वारा इन के अधिग्रहण के लिए बहुत परिश्रम किया है । और सरकार ने जो निर्णय किया है वह माननीय सदस्य को बताया है । उस मिल पर बहुत बड़ी धनराशि प्रोवीडेंट फंड की बकाया है और हम उन के ऊपर केस चला रहे हैं । केसेस में जल्दी हो, यह चाहते हैं लेकिन वे कोर्ट हैं और अपने यहां देश के हाई कोर्टों से ले कर सुप्रीम कोर्ट में कितने कैसेज पेंडिंग हैं, यह सब को मालूम है ।

श्री युवराज : पांच वर्ष से केस चल रहा है और उन से रिकवरी कितनी होती है ? जीरो, और मिल मालिक कलकत्ते में जा कर आराम कर रहे हैं । आप क्यों नहीं मिल जब्त करते हैं । उन का मकान जब्त कर के मजदूरों का पैसा दिलवाइए ?

डा० राम कृपाल सिंह : प्रोविडेंट फंड में जितना पैसा है, जितना वसूल कर सकते हैं वह वसूल कर रहे हैं और हम विश्वास दिलाते हैं कि हम भरपूर चेष्टा करेंगे कि अधिक से अधिक बकाया जो राशि है, वह जमा हो जाए ।

19.4 hrs.

CONTEMPT OF THE HOUSE

MR. CHAIRMAN: Before I adjourn the House, I have to make an announcement.

I have to inform the House that today at about 3.55 p.m., two visitors calling themselves Shri Radhe Shyam Verma and Shri Ram Kumar Sharma, shouted from the Visitors' Gallery. The Watch and Ward Officer took them into custody immediately and interrogated them. Both of them have stated that they are students and they have expressed their regret for their action. They are being let off.

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned till 11 a.m. tomorrow.

19.47 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Thursday, August 17, 1978|Sravana 26, 1900 (Saka)

GMGIPND—M—2366 L S